समष्टि आर्थिक और मौद्रिक गतिविधियां : मध्यावधि समीक्षा 2006-07*

I. वास्तविक क्षेत्र अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्ष 2006-07 की पहली तिमाही में वृद्धि दर सुदृढ़ बनी रही है। केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन के अनुसार, वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2005-06 की पहली तिमाही के 8.5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2006-07 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र की मज़बूत गतिविधियों के कारण रही है (सारणी I चार्ट 1)। 'विद्युत, गैस और जल आपूर्ति' तथा 'निर्माण' को छोड़कर सभी प्रमुख उप क्षेत्रों में अप्रैल-जून 2006 के दौरान वृद्धिशील वृद्धि दर दर्ज की गई है, जबकि कृषि क्षेत्र में वृद्धि पिछले वर्ष के समान रही है। सेवा क्षेत्र, आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख संचालक रहा है और वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 71 प्रतिशत और उसके बाद उद्योग क्षेत्र की 22 प्रतिशत हिस्सेदारी रही है। इस प्रकार, भारतीय अर्थव्यवस्था ने हाल के तीन वर्षों (2003-04 से 2005-06 तक) में दर्ज की गई वृद्धि दर की गति को बनाए रखा है।

पहली तिमाही के आर्थिक निष्पादन के परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2006-07 के दौरान वास्तविक अर्थव्यवस्था क्षेत्रों में जो गतिविधियां रही हैं जिनमें कृषि क्षेत्र की स्थिति, औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन, सेवा क्षेत्र कार्यकलापों के अग्रणी संकेतक, कारोबार तथा निवेश प्रत्याशाएं शामिल हैं, इस भाग में प्रस्तुत की गई हैं।

कृषि क्षेत्र की स्थिति

वर्ष 2006 में दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान (1 जून से 30 सितंबर 2006) हुई वर्षा कुल मिलाकर सामान्य (सामान्य से केवल 1

सारणी 1: वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर
(आधार वर्ष : 1999-2000)

(प्रतिशत)

क्षेत्र	2000-01 से 2002-03 (औसत)	2003-04	2004-05*	2005-06#	2005-06				2006-07
					1ति	2ति	3ति	4ति	1ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. कृषि और सहायक कार्यकलाप	**-0.2 (23.5)**	**10.0 (22.2)**	**0.7 (20.8)**	**3.9 (19.9)**	**3.4**	**4.0**	**2.9**	**5.5**	**3.4**
1.1 कृषि	-0.5	10.7	0.7	..					
2. उद्योग	**5.2 (19.7)**	**6.6 (19.5)**	**7.4 (19.5)**	**7.6 (19.3)**	**9.5**	**6.3**	**7.0**	**7.9**	**9.7**
2.1 खनन और उत्खनन	4.4	5.3	5.8	0.9	3.1	-2.6	0.0	3.0	3.4
2.2 विनिर्माण	5.7	7.1	8.1	9.0	10.7	8.1	8.3	8.9	11.3
2.3 बिजली, गैस और जल आपूर्ति	2.8	4.8	4.3	5.3	7.4	2.6	5.0	6.1	5.4
3. सेवाएं	**6.6 (56.8)**	**8.5 (58.3)**	**10.2 (59.7)**	**10.3 (60.7)**	**10.1**	**10.3**	**9.7**	**11.0**	**10.5**
3.1 व्यापार, होटल,रेस्तरां, परिवहन, भंडारण और संप्रेषण	8.5	12.0	10.6	11.5	11.7	11.0	10.2	12.9	13.2
3.2 वित्त-पोषण, बीमा, भूमि- भवन और कारोबार सेवाएं	6.5	4.5	9.2	9.7	8.8	10.5	8.9	10.5	8.9
3.3 समुदाय, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाएं	4.1	5.4	9.2	7.8	7.3	8.0	8.4	7.6	7.4
3.4 निर्माण	5.9	10.9	12.5	12.1	12.4	12.3	11.5	12.0	9.5
4. कारक लागत पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद	**4.6**	**8.5**	**7.5**	**8.4**	**8.5**	**8.4**	**7.5**	**9.3**	**8.9**

* : शीघ्र अनुमान। # : संशोधित अनुमान। .. : अलग से उपलब्ध नहीं।

टिप्पणी : 1.कोष्ठक में दिए गए आंकड़े वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत अंशों को प्रदर्शित करते हैं।
2.ति 1: पहली तिमाही (अप्रैल-जून); ति 2 : दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर); ति 3 : तीसरी तिमाही (अक्तूबर-दिसंबर); ति 4 : चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च)

स्रोत : केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन।

* वार्षिक नीति वक्तव्य 2006-07 की पहली तिमाही समीक्षा के साथ जारी।

चार्ट 1: वास्तविक जीडीपी : वृद्धि दर

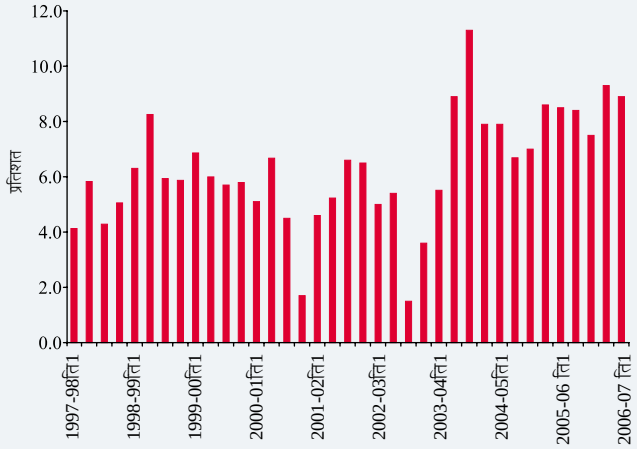

प्रतिशत कम) के करीब रही; हालांकि बीच-बीच में कहीं-कहीं बारिश कम-ज़्यादा हुई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून छह दिन पहले से आ गया - 26 मई, 2006 तक मानसून केरल तक तथा 31 मई, 2006 तक तेज़ी से पश्चिमी तट पर फैलते हुए 2 जून, 2006 तक गुजरात पहुंच गया। उसके बाद मानसून की गति धीमी पड़ गई और जून में मानसून प्रारंभ होने में 16 दिन की देरी हो गई। जून 2006 के अंतिम सप्ताह में मानसून में पुनः तेज़ी आई और मानसून की यह गति तेज होती गई तथा अन्य क्षेत्रों तक फैल गई। मानसून 9 दिन देर से शुरू होकर 24 जुलाई, 2006 तक पूरे देश में फैल गया। पूरे देश में जून 2006 के पहले सप्ताह को छोड़कर कुल मिलाकर जो बारिश हुई वह मानसून के पूरे मौसम में अर्थात् इस लंबे समय में होने वाली औसत बारिश से कम रही। 36 मौसमी उप-मंडलों में से 10 उप-मंडलों में वर्षा कम/अल्प रही/नहीं हुई (पिछले वर्ष के दौरान यह स्थिति 4 उप-मंडल में थी) (सारणी 2)। जिला स्तर पर, कुल ज़िलों (533) में से 60 प्रतिशत ज़िलों में अत्यधिक/सामान्य वर्षा हुई है जबकि शेष ज़िलों में या तो वर्षा कम हुई/अपर्याप्त रही/नहीं हुई। कुल 76 बड़े जलाशयों[1] में 12 अक्तूबर, 2006 को कुल इकत्रित जल, संपूर्ण जलाशय स्तर का 90 प्रतिशत था, जो पिछले वर्ष के 81 प्रतिशत से अधिक था।

देश के कुछ हिस्सों में कम-ज़्यादा और विलंब से हुई वर्षा से खरीफ फसल की बुवाई प्रभावित हुई है। फलस्वरूप, 13 अक्तूबर, 2006 तक खरीफ फसल का कवरेज लगभग 2.2 प्रतिशत था जो पिछले वर्ष से कम था (सारणी 3)। कम फसल क्षेत्र में बुवाई होने का मुख्य कारण मोटे अनाज और तिलहन की कम बुवाई होना रहा है। जबकि दूसरी ओर अधिक सिंचाई वाली फसलों जैसे गन्ने की फसल पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी अधिक रही क्योंकि जलाशयों में पानी की स्थिति अच्छी थी।

सारणी 2 : दक्षिणी-पश्चिमी मानसून

वर्ष	संचित वर्षा: अधिक (+)/ कम (-) सामान्य (प्रतिशत)	अधिशेष वर्षा	सामान्य वर्षा	कम वर्षा	सूखा/कोई वर्षा नहीं
		उप मंडलों की संख्या			
1	2	3	4	5	6
1998	6	12	21	3	0
1999	-4	3	26	7	0
2000	-8	5	23	8	0
2001	-8	1	30	5	0
2002	-19	1	14	19	2
2003	2	7	26	3	0
2004	-13	0	23	13	0
2005	-1	9	23	4	0
2006	-1	6	20	10	0

स्रोत : भारतीय मौसम विभाग।

अनियमित वर्षा तथा बुवाई वाले क्षेत्रों में थोड़ी कमी होने से 2006-07 में खरीफ की फसल में अनाज की कुल उपज 105.2 मिलियन टन थी जो पिछले वर्ष की उपज से 4.1 प्रतिशत कम रही (सारणी 4)। यह कमी मुख्यतया प्रमुख अनाजों की उपज में कमी होने से हुई है। वाणिज्यिक फसलों में, तिलहन और कपास की पैदावार में गिरावट तथा गन्ने की उपज में सुधार की संभावना है।

खाद्य प्रबंध

वर्ष 2006-07 (10 अक्तूबर, 2006 तक) में चावल और गेहूं की कुल उगाही 18.3 मिलियन टन थी जो पिछले वर्ष से 14.7 प्रतिशत कम थी। खाद्यान्नों

सारणी 3: खरीफ फसल के अंतर्गत क्षेत्र की प्रगति 2006-07

(मिलियन हेक्टेयर में)

फसल	सामान्य क्षेत्र	क्षेत्र व्याप्ति (10 जुलाई से)		
		2005	2006	घटबढ़ 2006 समाप्त 2005
1	2	3	4	5
चावल	38.2	37.0	36.7	-0.2
मोटा अनाज	22.9	22.8	21.1	-1.7
जिसमें से				
बाजरा	9.4	9.4	8.1	-1.3
ज्वार	4.4	3.9	3.7	-0.2
मक्का	6.2	6.9	7.3	0.4
कुल दालें	10.9	11.4	11.4	0.0
कुल खरीफ तिलहन	15.4	17.6	16.8	-0.9
जिसमें से				
मूंगफली	5.5	5.6	4.7	-0.9
सोयाबीन	6.6	7.8	8.1	0.3
तिल	1.5	1.9	1.8	-0.1
सनफ्लावर	0.5	0.9	0.9	-0.1
गन्ना	4.2	4.3	4.4	0.2
कपास	8.3	8.5	8.9	0.4
सभी फसलें	99.8	101.5	99.3	-2.2

स्रोत : कृषि मंत्रालय, भारत सरकार।

[1] इन जलाशयों की क्षमता देश के समस्त जलाशयों की क्षमता का 63 प्रतिशत है।

सारणी 4: कृषि संबंधी उत्पादन

(मिलियन टन)

फसल	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06 $	2006-07	
					ल	उप $$
1	2	3	4	5	6	7
चावल	71.8	88.5	83.1	91.0	92.8	
खरीफ	63.1	78.6	72.2	78.0	80.8	75.7
रबी	8.7	9.9	10.9	13.0	12.0	
गेहूं	65.8	72.2	68.6	69.5	75.5	
मोटा अनाज	26.1	37.6	33.5	34.7	36.5	
खरीफ	20.0	32.2	26.4	27.0	28.7	24.5
रबी	6.1	5.4	7.1	7.7	7.8	
कुल तिलहन	11.1	14.9	13.1	13.1	15.2	
खरीफ	4.2	6.2	4.7	4.7	5.8	5.0
रबी	7.0	8.7	8.4	8.4	9.4	
कुल खाद्यान्न	**174.8**	**213.2**	**198.4**	**208.3**	**220.0**	
खरीफ	87.2	117.0	103.3	109.7	115.3	105.2
रबी	87.6	96.2	95.1	98.6	104.8	
कुल तिलहन	14.8	25.2	24.4	27.7	29.4	
खरीफ	9.0	16.7	14.1	16.8	18.1	13.2
रबी	5.9	8.5	10.2	10.9	11.3	
गन्ना	287.4	233.9	237.1	278.4	270.0	283.4
कपास #	8.6	13.7	16.4	19.6	18.5	18.1
जूट और मेस्टा ##	11.3	11.2	10.3	10.7	11.3	10.9

ल : लक्ष्य उप : उपलब्धि

$: चतुर्थ अग्रिम अनुमान (15, जुलाई 2006) $$: प्रथम अग्रिम अनुमान 15 सितंबर 2006 । # : प्रत्येक मिलियन गांठ 170 कि.ग्रा. की। ## : प्रत्येक मिलियन गांठ 180 कि.ग्रा. की ।

स्रोत : कृषि मंत्रालय, भारत सरकार ।

का कुल उठाव (31 जुलाई, 2006 तक) 11.8 मिलियन टन था जो पिछले वर्ष से 19.4 प्रतिशत कम था। लक्ष्यित सार्वजनिक वितरण प्रणाली, अन्य कल्याण योजनाओं तथा खुला बाज़ार विक्रय के अंतर्गत उठाव पिछले वर्ष के स्तर से कम था। भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकार की एजेंसियों के पास 1 अगस्त, 2006 तक अनाज का कुल भंडार 17.5 मिलियन टन था जो पिछले वर्ष से 18.3 प्रतिशत कम था (सारणी 5)। 17.1 मिलियन टन के बफर स्टॉक मानदंड की तुलना में जहां गेहूं का स्टॉक कम (7.3 मी.ट.) था, वहीं चावल का स्टाक 9.8 मी.ट. बफर स्टॉक मानदण्ड से थोड़ा अधिक (9.9 मी.ट.) था।

सारणी 5: खाद्य स्टॉक का प्रबंध

(मिलियन टन)

माह	खाद्यान्न का प्रारंभिक स्टॉक			खाद्यान्न की खरीद			खाद्यान्न का उठाव					अंतिम रहतिया	मानदंड
	चावल	गेहूं	कुल	चावल	गेहूं	कुल	पीडीएस	ओडब्ल्यूएस	ओएमएस – घरेलू	निर्यात	कुल		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
2004-05	13.1	6.9	20.7	24.2	16.8	41.0	29.7	10.6	0.2	1.0	41.5	18.0	
2005-06	13.3	4.1	18.0	26.6	14.8	41.4	31.4	9.8	1.1	0.0	42.2	16.6	
2005-06@				6.6	14.8	21.4	10.2	4.3	0.1	0.0	14.6		
2006-07@				9.1	9.2	18.3	10.0	1.8	0.0	0.0	11.8		
2005													
अप्रैल	13.3	4.1	18.0	1.4	12.8	14.2	2.4	1.0	0.0	0.0	3.4	28.5	16.2
मई	13.0	15.1	28.5	1.0	1.9	3.0	2.5	0.8	0.0	0.0	3.3	27.9	
जून	11.6	15.7	27.9	0.8	0.1	0.9	2.5	1.7	0.0	0.0	4.2	25.1	
जुलाई10.1	14.5	25.1	0.8	0.0	0.8	2.8	0.8	0.1	0.0	3.6	21.4	26.9	
अगस्त	8.0	13.0	21.4	0.4	0.0	0.4	2.6	0.8	0.1	0.0	3.4	18.4	
सितंबर	6.4	11.6	18.4	0.4	0.0	0.4	2.7	0.7	0.1	0.0	3.5	15.6	
अक्तूबर	4.9	10.3	15.6	7.5	0.0	7.5	2.7	0.5	0.0	0.0	3.2	19.8	16.2
नवंबर10.3	9.1	19.8	2.7	0.0	2.7	2.3	0.5	0.1	0.0	2.8	19.0		
दिसंबर	11.1	7.6	19.0	3.4	0.0	3.4	2.7	0.7	0.2	0.0	3.6	19.3	
2006													
जनवरी	12.6	6.2	19.3	3.8	0.0	3.8	2.7	0.8	0.1	0.0	3.6	19.5	20.0
फरवरी	14.0	4.9	19.5	2.5	0.0	2.5	2.7	0.6	0.3	0.0	3.6	18.3	
मार्च	14.1	3.5	18.3	1.9	0.0	1.9	2.8	0.9	0.2	0.0	3.9	16.6	
अप्रैल	13.7	2.0	16.6	1.7	8.7	10.3	2.5	0.3	0.0	0.0	2.8	22.8	16.2
मई	12.8	9.0	22.8	1.6	0.6	2.2	2.5	0.4	0.0	0.0	3.0	22.3	
जून	12.0	9.3	22.3	1.5	0.0	1.5	2.5	0.6	0.0	0.0	3.1	20.5	
जुलाई11.1	8.2	20.5	0.8	0.0	0.8	2.4	0.4	0.0	0.0	2.9	17.5	26.9	
अगस्त	9.9	7.3	17.5	0.5	0.0	0.5	अनु.	अनु.	अनु.	अनु.	अनु.	अनु.	
सितंबर	अनु.	अनु.	अनु.	0.2	0.0	0.2	अनु.	अनु.	अनु.	अनु.	अनु.	अनु.	
अक्तूबर *	अनु.	अनु.	अनु.	2.8	0.0	2.8	अनु.	अनु.	अनु.	अनु.	अनु.	अनु.	16.2

पीडीएस : सार्वजनिक वितरण प्रणाली ओडब्ल्यूएस : अन्य कल्याणकारी योजनाएं ओएमएस : खुला बाजार बिक्री अनु : अनुपलब्ध @ : 10 अक्तूबर तक उगाही तथा जुलाई अंत तक उठाव

* : 10 अक्तूबर, 2006 तक उगाही

टिप्पणी : अंतिम स्टॉक के आंकड़े प्रारंभिक स्टॉक और खरीद को जोड़कर तथा उठाव को घटाकर आने वाले आंकड़ों से भिन्न हो सकते है, क्योंकि स्टॉक में मोटे अनाज को शामिल किया गया है।

स्रोत : उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार ।

औद्योगिक उत्पादन

औद्योगिक उत्पादन, अपने विस्तार के पांचवें वर्ष में, 2006-07 के पहले पांच महीने में काफी तेज़ रहा। अप्रैल-अगस्त 2006 के दौरान औद्योगिक उत्पादन बढ़कर 10.6 प्रतिशत हो गया जो 1995-96 से लेकर अप्रैल-अगस्त अवधि में सबसे अधिक वृद्धि थी - यह उत्पादन वर्ष 2005 की इसी अवधि में 8.7 प्रतिशत थी (चार्ट 2)। विनिर्माण क्षेत्र में भी 11.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो 1996-97 से लेकर अब तक सबसे अधिक थी और औद्योगिक गतिविधियां मुख्यतया इसी से संचालित थीं। खनन क्षेत्र में भी अच्छा सुधार हुआ और यह फायदा कच्चे तेल के बेहतर उत्पादन से हुआ। जुलाई 2005 में मुंबई हाई में लगी आग के कारण उत्पादन में जो रुकावट पैदा हो गई थी, उसमें कच्चे तेल का अधिक उत्पादन होने से सुधार हुआ। विद्युत क्षेत्र में उत्पादन धीमा रहा, जिसका कारण गैस-आधारित पावर स्टेशनों में गैस की आंशिक कमी रहा है।

विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन काफी व्यापक रहा, 17 औद्योगिक समूहों में से 14 में, दो अंकीय विनिर्माण स्तर पर, सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई (सारणी 6)। रसायन, मशीनरी, मूल धातु, परिवहन उपकरण तथा सीमेंट ने 2006-07 के दौरान अब तक विनिमार्ण क्षेत्र की वृद्धि को बनाए रखा है।

उपयोगिता-आधारित वर्गीकरण के अनुसार, उपभोक्ता संबंधी खराब होने वाली वस्तुओं के क्षेत्र को छोड़कर, सभी क्षेत्रों में उच्चतर वृद्धि हुई है (सारणी 7)। अप्रैल-अगस्त 2006 के दौरान पूंजीगत वस्तुओं में 18.6 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि हुई है जो अर्थव्यवस्था में निवेश की सुदृढ़ता दर्शाती है। यह वृद्धि वर्ष 1996-97 से लेकर अप्रैल-अगस्त अवधि की सर्वाधिक वृद्धि थी। मशीनरी और परिवहन उपकरणों के उच्च उत्पादन से पूंजीगत वस्तुओं के क्षेत्र में ऊंची वृद्धि हो सकी है। जहां बुनियादी स्वरूप की वस्तुओं के क्षेत्र में तेजी मूल रसायन के उत्पादन में उच्चतर वृद्धि से हुई है, वहीं मध्यवर्ती वस्तुओं के क्षेत्र को रसायन, रबड़, प्लास्टिक तथा

सारणी 6: विनिर्माण क्षेत्रों में वृद्धि दर

(प्रतिशत)

उद्योग समूह	औद्योगिक उत्पादन का भारित सूचकांक	वृद्धि दर		भारित अंशदान #	
		अप्रैल-अगस्त		अप्रैल-अगस्त	
		2005	2006 अ	2005	2006 अ
1	2	3	4	5	6
1 मशीनरी तथा परिवहन उपस्कर से अन्य उपस्कर	9.6	9.8	14.8	15.7	19.4
2 रसायन एवं रासायनिक उत्पाद, पेट्रोलियम एवं कोयले के उत्पाद को छोड़कर	14.0	12.9	10.5	27.2	18.5
3 मूलधातु तथा एलॉय उद्योग	7.5	16.8	19.0	14.6	14.4
4 परिवहन उपस्कर तथा पुर्जे	4.0	11.1	18.6	7.5	10.4
5 अन्य विनिर्माण उद्योग	2.6	17.5	26.9	5.8	7.8
6 गैर धात्विक खनिज उत्पाद	4.4	8.8	12.7	6.0	7.0
7 पेय, तंबाकू तथा संबंधित उत्पाद	2.4	17.0	13.4	8.7	6.0
8 रबड़, प्लास्टिक, पेट्रोलियम तथा कोयला उत्पाद	5.7	3.9	9.8	2.8	5.4
9 वस्त्रोद्योग (परिधान वस्त्रसहित)	2.5	23.8	16.8	7.7	5.0
10 सूती वस्त्रोद्योग	5.5	10.9	9.7	4.8	3.5
11 कागज तथा कागज के उत्पाद तथा मुद्रण, प्रकाशन तथा संबंधित उत्पाद	2.7	7.3	7.7	2.7	2.3
12 उन, रेशम तथा मानव निर्मित वस्त्रोत्पाद	2.3	-1.8	4.3	-0.7	1.2
13 धातु उत्पाद और पुर्जे (मशीनरी और उपस्कर को छोड़कर)	2.8	-2.7	2.7	-0.8	0.6
14 खाद्य उत्पाद	9.1	-2.9	1.0	-2.4	0.6
15 जूट तथा अन्य वनस्पति वस्त्र फाइबर टेक्सटाइल (कपास को छोड़कर)	0.6	2.7	-0.5	0.1	0.0
16 चर्म एवं चर्म एवं फर उत्पाद	1.1	4.5	-8.3	0.5	-0.7
17 लकड़ी, लकड़ी के उत्पाद, फर्नीचर और फिक्स्चर	2.7	-1.4	-13.2	-0.2	-1.3
विनिर्माण - कुल	**79.4**	**9.6**	**11.8**	**100.0**	**100.0**

अ : अनंतिम # : आंकड़े 100 तक नहीं जुड़े हैं क्योंकि उनका पूर्णांकन किया गया है।

स्रोत : केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन

चार्ट 2 : औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक में वृद्धि

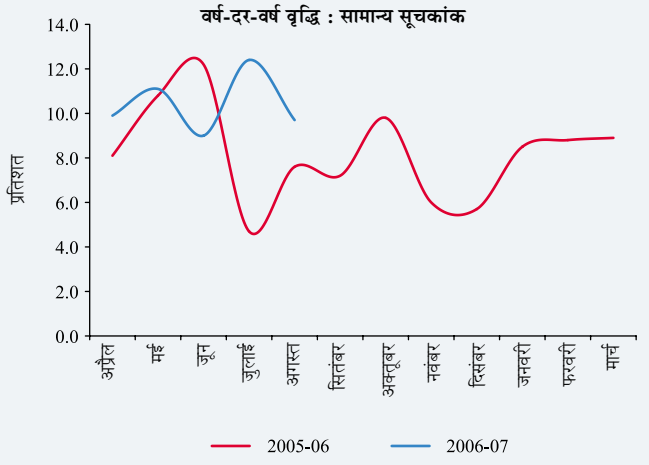

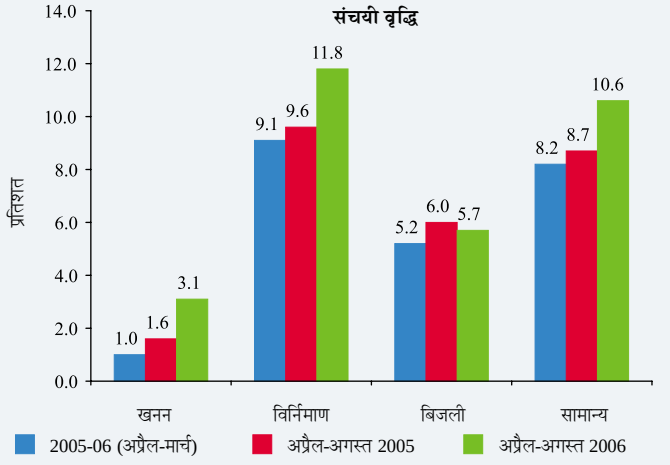

सारणी 7: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक : उद्योगों का उपयोग आधारित वर्गीकरण

(प्रतिशत)

उद्योग समूह	आइआइपी में भार	वृद्धि दर		भारित अंशदान #	
		अप्रैल-अगस्त		अप्रैल-अगस्त	
		2005	2006 अ	2005	2006 अ
1	2	3	4	5	6
मूलभुत वस्तुएं	35.6	6.9	8.3	25.2	24.1
पूंजीगत वस्तुएं	9.3	13.8	18.6	15.5	17.8
मध्यवर्ती वस्तुएं	26.5	3.5	9.5	11.7	24.4
उपभोक्ता वस्तुए (क+ख)	28.7	13.7	11.3	48.1	33.9
अ) उपभोक्ता टिकाऊ	5.4	13.0	16.6	11.7	12.7
अ) उपभोक्ता गैर-टिकाऊ	23.3	13.9	9.5	36.3	21.2
सामान्य	**100.0**	**8.7**	**10.6**	**100.0**	**100.0**

अ : अनंतिम # : पूर्णांकन के कारण 100 तक आंकड़े नहीं जोड़े गए है।
स्रोत : केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन।

पेट्रोलियम उत्पाद के उद्योगों से सहायता मिली है। गैर टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की वृद्धि में गिरावट रही जिसका कुछ कारण इसका उच्च आधार होना तथा खाद्य उत्पाद, जैसे, गेहूँ का आटा / मैदा, दूध का पावडर तथा खाद्य तेल में ऋणात्मक उत्पादन होना रहा है।

मूलभूत संरचना

विनिर्माण क्षेत्र में अप्रैल-अगस्त 2006 के दौरान कुछ सुधार पाया गया (पिछले वर्ष की इसी अवधि के 6.1 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि) जो कच्चे पेट्रोलियम तथा पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद में बेहतर उत्पादन के कारण हुआ (चार्ट 3)। कच्चे तेल के उत्पादन में यह तेजी, जैसा कि पहले बताया गया है, मुंबई हाई समुद्र में ओएनजीसी के संयंत्रों में कच्चे तेल के उत्पादन के भंडारण के फलस्वरूप हुई है। पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों में दो-अंक की वृद्धि उसके आधारगत-प्रभाव तथा वृद्धिशील निर्यात के कारण हुई है।

सेवा क्षेत्र

सेवा क्षेत्र दो-अंकीय वृद्धि के साथ (अप्रैल-जून 2005 के 10.1 प्रतिशत की तुलना में अप्रैल-जून 2006 में 10.5 प्रतिशत) भारतीय अर्थव्यवस्था का अग्रणी क्षेत्र बना रहा (सारणी 1 और चार्ट 4)। सेवा क्षेत्र का कुछ सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सा अब 60 प्रतिशत से भी अधिक हो गया है। सेवा क्षेत्र की गतिविधियां उसके उप-क्षेत्र, जैसे, व्यापार, होटल, रेस्तरां, परिवहन, भंडारण तथा संचार द्वारा संचालित है जिनमें वर्ष 2006-07 की

चार्ट 4: सेवा क्षेत्र में वृद्धि

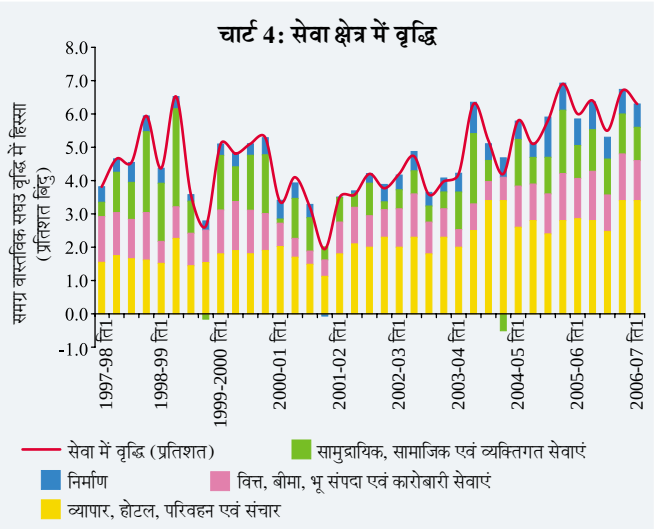

चार्ट 3: इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योगों में वृद्धि

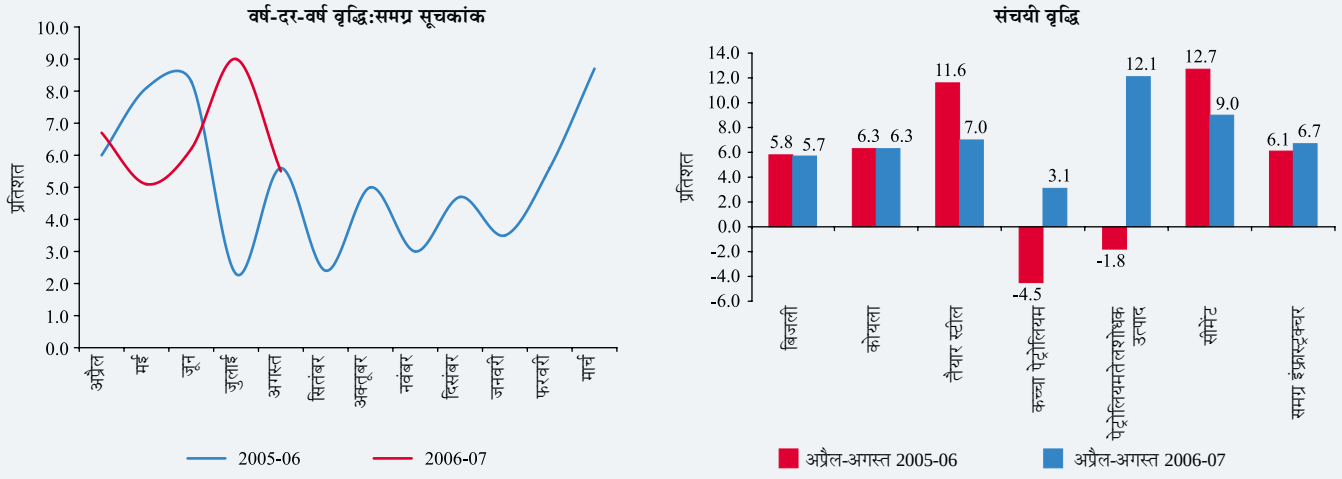

सारणी 8: सेवा क्षेत्र की गतिविधि के संकेतक

(प्रतिशत में वृद्धि दर)

उप क्षेत्र	2004-05	2005-06	अप्रैल-जुलाई	
			2005	2006
1	2	3	4	5
पर्यटकों का आगमन	23.7	11.7	13.0 *	13.8 *
वाणिज्यिक वाहनों का उत्पादन	28.6	10.6	8.2 $	34.9 $
रेलवे राजस्व अर्जक मालभाड़े की प्राप्ति	8.1	10.7	10.7	10.3
नए सेलफोन कनेक्शन	10.4	89.4	31.5	120.2
सॉफ्टवेयर सेवाओं का आयात	34.4	37.2	33.1 #	25.1 #
मुख्य बंदरगाहों में कारगो प्रबंध	11.3	10.3	15.7	6.2
नागरिक उड्डयन				
क) निर्यात कारगो प्रबंध	12.4	7.3	9.1	7.8
ख) आयात कारगो प्रबंध	24.2	15.8	7.8	23.4
ग) अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल में यात्रियों का प्रबंध	14.0	12.8	12.5	12.9
घ) देशी टर्मिनल में यात्रियों का प्रबंध	23.6	27.1	20.4	41.3
सड़क : राजमार्ग का उन्नयन	16.1	-23.4	-0.6	-37.6
सीमेंट	6.6	12.3	12.7 $	9.0 $
इस्पात	8.4	8.0	11.6 $	7.0 $
कुल जमाराशियां	11.9	22.3	6.5 @	8.8 @
खाद्येतर ऋण	31.6	38.4	11.0 @	9.8 @
केंद्र सरकार का व्यय	9.4	9.4	11.2 $	17.4 $

* : अप्रैल-सितंबर $: अप्रैल-अगस्त # : अप्रैल-जून

@ : 13 अक्तूबर तक आंकडे अनुसूचित वाणिज्य बैंकों से संबंधित हैं ।

पहली तिमाही में 13.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका हिस्सा इस तिमाही में 8.9 प्रतिशत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में लगभग 38 प्रतिशत रहा है। रेलवे के भाड़े, नए सेलफोन कनेक्शन तथा पर्यटकों के आगमन से राजस्व आय में तीव्र वृद्धि बनी रही है (सारणी 8)। विमानन द्वारा आयातित कार्गो, तथा देशी एवं अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर यात्रियों को लाने-ले जाने की गतिविधियां तेज़ रही हैं। बढ़ती हुई बैंक जमाराशियां और खाद्येतर ऋण एवं सॉफ्टवेयर सेवाओं में निरंतर उच्च वृद्धि से उप क्षेत्रों, जैसे, वित्त, बीमा, भू-संपदा तथा कारोबारी सेवाओं में तेज़ी आई है तथा उनमें अप्रैल-जून 2006 में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है (पिछले वर्ष वृद्धि 8.8 प्रतिशत थी)। निर्माण क्षेत्र में वृद्धि लगातार मज़बूत बनी रही, हालांकि कुछ गिरावट भी हुई (सारणी 1)।

कारोबार प्रत्याशा सर्वेक्षण

पिछली तिमाहियों में वृद्धि की दर स्थिर बनी रहने के बाद विभिन्न कारोबार प्रत्याशाएं सर्वेक्षण वर्तमान आर्थिक स्थितियों तथा निकट अवधि में प्रत्याशाओं का मिलाजुला मूल्यांकन प्रस्तुत करते हैं (सारणी 9)। फिक्की के सर्वेक्षण के अनुसार (जुलाई-अगस्त 2006 में किए गए सर्वेक्षण) कारोबार प्रत्याशा सूचकांक में पिछली तिमाही की तुलना में गिरावट हुई है क्योंकि तेल की कीमतें और ब्याज दरें बढ़ रही थीं। इस तिमाही में समस्त सूचकांक में गिरावट के होते हुए भी फिक्की की प्रत्याशाएं 'अत्यधिक आशावादी' रही हैं। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने वालों में 58 प्रतिशत ने महसूस किया है कि मौजूदा समग्र आर्थिक

सारणी 9: कारोबार संभावना सर्वेक्षण

एजेंसी	कारोबार अनुमान		पूर्ववर्ती दौर की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत)	पूर्ववर्ती दौर की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत)
	अवधि	सूचकांक		
1	2	3	4	5
डन एण्ड ब्राडस्ट्रीट	2006 (अक्तूबर-दिसंबर)	कारोबार इष्टतम सूचकांक	-5.0	14.1
एनसीएईआर	2006 (जुलाई-दिसंबर)	कारोबार इष्टतम सूचकांक	-1.7	-8.0
फिक्की	2006 (जुलाई-दिसंबर)	कारोबार इष्टतम सूचकांक	-5.7	-8.2
भारतीय रिजर्व बैंक	2006 (अक्तूबर-दिसंबर)	कारोबार इष्टतम सूचकांक	2.1	-0.9

स्थिति पिछले छह महीने की तुलना में 'सहज और अत्यधिक अच्छी' रही है। हालांकि यह अनुपात पिछले सर्वेक्षण के 85 प्रतिशत से कम था। सर्वेक्षण में सेवा क्षेत्र समस्त औद्योगिक क्षेत्र में सबसे अधिक उठान वाला क्षेत्र था। दूसरी ओर, अक्तूबर 2006 प्रारंभ में डन और ब्राडस्ट्रीट द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार अक्तूबर-दिसंबर 2006 में कारोबार प्रत्याशा पिछली तिमाही से अधिक मज़बूत थी। सर्वेक्षण में किए गए छह आशावादी सूचकांक, अर्थात् बिक्री, निवल, अर्थात् बिक्री, निवल लाभ, बिक्री मूल्य, नए ऑर्डर, इन्वेंट्री स्तर तथा कर्मचारी पिछली तिमाही की तुलना में बेहतर रहे हैं।

रिज़र्व बैंक के अद्यतन औद्योगिक परिदृश्य सर्वेक्षण (जुलाई-अगस्त 2006 में किए गए) के अनुसार अक्तूबर-दिसंबर 2006 तिमाही के कारोबार प्रत्याशा सूचकांक पिछली तिमाही के स्तर से 0.9 प्रतिशत कम थे (चार्ट 5)। हालांकि प्रत्याशा का स्तर पिछले वर्ष की इसी तिमाही से अधिक था। जुलाई-सितंबर 2006 की समग्र कारोबार स्थिति का मूल्यांकन यह दर्शाता है कि पिछली तिमाही के प्रत्याशा स्तर में मामूली गिरावट हुई है। हालांकि यह स्तर पिछले वर्ष इसी तिमाही के प्रत्याशा स्तर से अधिक था।

सर्वेक्षण के संबंध में प्राप्त प्रतिक्रियाएं दर्शाती हैं कि जुलाई-सितंबर 2006 तिमाही की तुलना में अक्तूबर-दिसंबर 2006 तिमाही में समग्र कारोबार स्थिति, वित्तीय स्थिति, निर्यात और लाभ मार्जिन में मामूली गिरावट आई है। दूसरी ओर, अक्तूबर-दिसंबर 2006 के दौरान उत्पादन, ऑर्डर बुक्स, क्षमता उपभोग और रोजगार में सुधार आने की संभावना है। कार्यशील पूंजी के लिए अधिक वित्त की जरूरत होने की उम्मीद है जबकि इसके लिए वित्त की उपलब्धता में कमी रहने की संभावना है (सारणी 10)।

चार्ट 5: रिज़र्व बैंकका औद्योगिक दृष्टिकोण सर्वेक्षण कारोबार संभावना सूचकांक

सारणी 8: औद्योगिक कार्यनिष्पादन के बारे में 'आने वाली तिमाही' की संभावनाओं के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

(प्रतिशत)

मानदंड	प्रतिक्रिया	अक्तू-दिसं 2005 (961)	जन-मार्च 2006 (934)	अप्रै-जून 2006 (1086)	जुलाई-सितं 2006 (1073)	अक्तू-दिसं 2006 (1138)
1	2	3	4	5	6	7
1 समग्र कारोबारी स्थिति	बेहतर	51.3	49.8	46.3	53.1	51.8
2 वित्तीय स्थिति	बेहतर	42.3	40.7	40.4	43.4	41.9
3 कार्यशील पूंजी वित्त आवश्यकता	वृद्धि	32.7	31.9	30.6	32.7	35.4
4 वित्त की उपलब्धता	सुधार	34.1	34.1	33.8	35.0	33.4
5 उत्पादन	वृद्धि	46.9	46.3	42.5	49.4	49.7
6 आर्डर बुक	वृद्धि	43.7	41.0	39.1	45.2	46.3
7 कच्ची सामग्री की लागत	कमी	-30.0	-35.9	-37.3	-45.8	-49.2
8 कच्ची सामग्री की मालसूची	औसत से कम	-6.9	-6.8	-5.0	-6.3	-6.1
9 तैयार वस्तुओं की माल सूची	औसत से कम	-3.3	-4.7	-4.5	-2.6	-4.9
10 क्षमता का उपयोग	वृद्धि	31.1	29.6	24.8	32.1	33.2
11 क्षमता के उपयोग का स्तर	सामान्य से अधिक	10.9	11.4	9.4	11.8	10.9
12 उत्पादन क्षमता का मूल्यांकन	पर्याप्तता से अधिक	5.0	4.9	4.1	3.6	5.1
13 कंपनी में रोजगार	वृद्धि	12.7	13.3	14.5	16.4	17.9
14 निर्यात, यदि लागू हो	वृद्धि	33.3	31.8	31.0	38.3	34.2
15 आयात, यदि कोई हो	वृद्धि	19.2	20.8	22.7	23.8	23.4
16 बिक्री मूल्य संबंधी अनुमान	वृद्धि	7.8	10.8	12.4	16.6	16.8
17 यदि बिक्री मूल्य में वृद्धि अनुमानित हो	कम दर पर वृद्धि	16.6	16.3	12.0	10.5	14.5
18 लाभ मार्जिन	वृद्धि	9.6	12.6	9.3	11.1	9.2

टिप्पणी : 1. कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े रिपोर्ट में समाविष्ट कंपनियों की संख्या के द्योतक हैं।

2. 'वास्तविक स्थिति' की गणना 'आशावादी' (सकारात्मक) और 'निराशावादी' (नकारात्मक) सूचना देनेवाली कंपनियों के बीच होनेवाले प्रतिशत अंश अंतर के अनुसार की गई है; *यथापूर्व स्थिति* (कोई परिवर्तन नहीं) की दी गई सूचना को ध्यान में नहीं लिया गया है। उच्चतर 'निवल प्रतिक्रिया' विश्वास के उच्चतर स्तर और उसके विपरीत स्थिति को दर्शाती है।

सारणी 10: विभिन्न एजेंसियों द्वारा भारत के लिए वर्ष 2005-06 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि के अनुमान

एजेंसी		वर्ष 2005-06 के लिए वृद्धि अनुमान (प्रतिशत)				अनुमान का माह
		समग्र वृद्धि	कृषि	उद्योग	सेवाएं	
1		2	3	4	5	6
एडीबी	क)	7.6	–	–	–	अप्रैल 2006
	ख)	7.8	–	–	–	सितंबर 2006
सीडीइ-डीएसइ	क)	7.7	2.4	9.5	9.2	मई 2006
	ख)	8.0	2.4	9.7	9.8	अक्तूबर 2006
सीआइआइ	क)	लगभग 8.0	–	–	–	जून 2006
	ख)	8.0	3.0	8.5	9.6	सितंबर 2006
इएसी		7.9	–	–	–	सितंबर 2006
इएससीएपी		7.9	–	–	–	मार्च 2006
आइसीआरए	क)	7.4-8.2	2.0	8.2-9.7	9.1-9.7	जनवरी 2006
	ख)	8.1	1.0	10.8	9.5	जुलाई 2006
आइएमएफ	क)	7.3 @	–	–	–	अप्रैल 2006
	ख)	8.3 @	–	–	–	सितंबर 2006
एनसीएआइआर		7.9	–	–	–	अगस्त 2006
भारतीय रिज़र्व बैंक		7.5-8.0				अप्रैल 2006/जुलाई 2006

– : उपलब्ध नहीं @ : कलैंडर वर्ष 2006.

एडीबी : एशियन विकास बैंक
सीडीइ-डीएसइ : डेवलपमेंट इकॉनॉमिक्स केंद्र, दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स
सीआइआइ : भारतीय उद्योग परिसंघ
इएसी : आर्थिक सलाहकार परिषद
इएससीएपी : एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक और सामाजिक उद्योग
आइएमएफ : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
एनसीएइआर : राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद
आइसीआरए : भारतीय निवेश सूचना और साख निर्धारण एजेंसी

यद्यपि कुछ सर्वेक्षण यह दर्शाते हैं कि कारोबारी प्रत्याशाएं और संभावनाएं थोड़ी मंद रहेंगी किंतु विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र की तेज़ी और घरेलू स्टॉक बाजार में हुए सुधार एवं सकारात्मक निवेश वातावरण बने रहने से वर्ष 2006-07 में भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि की गति बनी रहने की संभावना है कुछ ऐसे ही अनुमान विभिन्न एजेंसियों द्वारा भी लगाए गए हैं (सारणी 11)।